वाक्यांश के लिए एक शब्द

वाक्यांश के लिए एक शब्द

अच्छी भाषा वही कहलाती है, जिसे कम शब्दों में प्रभावशाली ढंग से कह दिया जाए। इसके लिए यह आवश्यक है कि, हम अपनी भाषा में ऐसे शब्दों का प्रयोग करें, जो अनेक शब्दों, पदबंध या वाक्यांशों के अर्थ को व्यक्त करने में समर्थ हों ।

जैसे - जीने की उत्कट इच्छा - जिजीविषा, किए हुए उपकार को न मानने वाला - कृतघ्न, इत्यादि । **जिजीविषा**, **कृतघ्न** ये कुछ ऐसे शब्द हैं जो अनेक शब्दों के अर्थ अपने में समाहित रखने का सामर्थ्य रखते हैं ।

अतः कहा जा सकता है कि, जो शब्द अनेक शब्दों अथवा वाक्यांशों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें **'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द'** अथवा **'वाक्यांश के लिए एक शब्द'** कहा जाता है ।

यहाँ पर मैंने 200 से कुछ अधिक महत्त्वपूर्ण 'वाक्यांश के लिए एक शब्दों' को उल्लेखित करने का प्रयास किया है | इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि, **प्रतियोगी परीक्षाओं** में जहाँ से प्रश्न पूछे जाने की संभावना सबसे अधिक होती है उन्हीं को इस लेख में शामिल किया जाए ।

क्योंकि जो आसान **'वाक्यांश के लिए एक शब्द'** होते हैं वे अक्सर सभी को याद होते हैं और आप देखेंगे कि, प्रतियोगिता वास्तव में वहाँ नहीं है, प्रतियोगिता वहाँ है जहाँ बाकि सभी उत्तर न दे पाएँ लेकिन आपको उस प्रश्न का उत्तर आता हो ।

इसीलिए मैंने केवल कठिन स्तर के पूछे जाने वाले महत्त्वपूर्ण 'वाक्यांश के लिए एक शब्दों' को ही शामिल किया है, ताकि इस टॉपिक पर आपकी पकड़ बहुत अच्छी हो सके| आप इन्हें अच्छे से याद कर तैयार कीजिएगा ।

वाक्यांश के लिए एक शब्द

ONE WORD SUBSTITUTIONS IN HINDI

महत्त्वपूर्ण वाक्यांश के लिए एक शब्द

- आकाश में तारे का टूटना - **उपप्लव**
- किसी काम को बार-बार करने की तीव्र इच्छा - **अभीप्सा**
- आम का बगीचा - **अमराई**
- इंद्र की पुरी - **अमरावती**
- जो बिन माँगे मिल जाए - **अयाचित**
- वह पर्वत जहाँ से सूर्य और चन्द्रमा उदित होते हैं - **उदयांचल**
- जो क्रूर व्यवहार करता हो - **आततायी**
- धूप से बचने का छाता - **आतपत्र**
- दूसरे के हित में जीवन त्याग कर देना - **आत्मोत्सर्ग**
- विपत्ति के समय (कर्त्तव्य) का धर्म - **आपद्धर्म**
- भारतवर्ष का उत्तरी भाग - **आर्यावर्त**
- घर के सामने का मंच - **आलिंद**
- स्वप्न में बड़बड़ाना - **उचावा**
- भोजन करने के बाद बचा हुआ अन्न/जूठन - **उच्छिष्ट**

1. जिस पर अभियोग (अपराध का आरोप) लगाया गया हो – अभियुक्त
2. किसी काम को बार-बार करने की तीव्र इच्छा – अभीप्सा
3. आम का बगीचा – अमराई
4. इंद्र की पुरी – अमरावती
5. जो बिन माँगे मिल जाए - अयाचित
6. अविवाहित महिला - अनूढ़ा
7. जो क्रूर व्यवहार करता हो - आततायी
8. धूप से बचने का छाता - आतपत्र
9. दूसरे के हित में जीवन त्याग कर देना - आत्मोत्सर्ग
10. विपत्ति के समय (कर्त्तव्य) का धर्म - आपद्धर्म
11. भारतवर्ष का उत्तरी भाग - आर्यावर्त
12. घर के सामने का मंच – आलिंद

13. स्वप्न में बड़बड़ाना – उचावा
14. भोजन करने के बाद बचा हुआ अन्न/जूठन - उच्छिष्ट
15. जिसका उदाहरण दिया गया हो - उदाहृत
16. जिसका उद्धरण दिया गया हो - उद्धरण
17. जिस पर हमला किया गया हो - आक्रान्त
18. जिसने हमला किया हो - आक्रांता
19. तिनकों से बना घर – उटज
20. वह पर्वत जहाँ से सूर्य और चन्द्रमा उदित होते हैं - उदयाचल
21. जो धरती को चीर/फोड़ कर जन्मता हो - उद्भिज
22. पर्वत के ऊपर की समान भूमि - अधित्यका
23. पर्वत के नीचे तलहटी की भूमि - उपत्यका
24. आकाश में तारे का टूटना - उपप्लव
25. छाती का घाव – उरक्षत
26. जो विषय भोग से रहित हो - निरीह
27. जिस भूमि में कुछ भी पैदा न होता हो - ऊसर
28. ऐसी जमीन जो अच्छी उत्पादक हो - उर्वरा
29. विचारों का ऐसा प्रवाह जिससे कोई निष्कर्ष न निकले - किंकर्त्तव्यविमूढ़
30. जो कम जानता हो – अल्पज्ञ
31. सब कुछ जानने वाला – सर्वज्ञ
32. जो बहुत कुछ जानता हो - बहुज्ञ
33. सांसारिक वस्तुओं को प्राप्त करने की इच्छा - एषणा
34. साँप-बिच्छू के जहर या भूत-प्रेत के भय को मन्त्रों से झाड़ने वाला - ओझा
35. विवाहित पत्नी से उत्पन्न पुरुष - औरस
36. दो व्यक्तियों की परस्पर होनेवाली बातचीत - कथोपकथन
37. शिव की जटाएँ – कपर्द
38. काला-पीला मिला रंग (भूरा) - कपिश
39. जिस स्त्री की बोली कठोर हो - कर्कशा
40. सुबह का भोजन – कलेवा

41. जिस स्त्री को एक ही संतान होकर रह जाए - काकबंध्या
42. दुःख, भय आदि के कारण उत्पन्न ध्वनि - काकु
43. वृक्ष, लता, फूलों से घिरा हुआ कोई सुन्दर स्थान - कुंज
44. कुल का नाश करने वाला - कुलांगार
45. अमावस्या की रात – कुहू
46. वह नायिका जो कृष्ण पक्ष में भी अपने प्रेमी से मिलने जाती हो - कृष्णाभिसारिका
47. जो केंद्र से हटकर जाता हो - केन्द्रापसारी
48. केंद्र की ओर उन्मुख होता हो जो - केंद्राभिसारी/केंद्राभिमुख
49. जो भूख मिटाने के लिए बेचैन हो - क्षुधातुर
50. ऐसा ग्रहण जिसमें सूर्य और चन्द्रमा का पूरा बिम्ब ढक जाए - खग्रास
51. जिसके सिर पर बाल न हों (गंजा)- खल्वाट
52. शरीर का व्यापार करने वाली स्त्री - गणिका
53. पहले से चली आ रही परंपरा का अनुपालन करने वाला - गतानुगतिक
54. वह स्त्री जिसका यौवन ढल गया हो - गलितयौवना
55. जो इन्द्रियों के ज्ञान के बाहर हो - गोतीत/इंद्रियातीत
56. सर्पों का स्वामी – फणीन्द्र
57. ब्याज का वह प्रकार जिसमें मूल के ब्याज पर भी ब्याज लगता है - चक्रवृद्धि ब्याज
58. कार्य करने की इच्छा – चिकीर्षा
59. चेतन स्वरूप की माया - चिद्विलास/ चिद्-विलास
60. चौथे दिन का ज्वर – चौथिया
61. वह सैनिक निवास करते हों - छावनी
62. एक स्थान से दूसरे स्थान पर चलने वाला - जंगम
63. पेट या जठर की आग – जठराग्नि
64. भोजन करने की इच्छा – जिघत्सा
65. मारने की इच्छा करने वाला - जिघांसु
66. किसी को मारने की इच्छा – जिघांसा
67. अपनी इज्जत को बचाने के लिए किया गया अग्नि-प्रवेश - जौहर
68. ग्रहण करने/पकड़ने की इच्छा - जिघृक्षा

69. वर्षा सहित तेज हवा – झंझावात
70. छोटी-छोटी बूंदों वाली वर्षा – झींसी
71. फलों का गुच्छा – झौंर
72. जहाँ सिक्कों के ढलाई होती है - टकसाल
73. बर्तन बनाने वाला - ठठेरा
74. मिट्टी के बर्तन बनाने वाला - कुम्हार
75. वह राजकीय धन जो किसानों की सहायता हेतु दिया जाता है – तकाबी
76. दैहिक,दैविक और भौतिक दुःख - तापत्रय
77. तैरकर पार करने की इच्छा - तितीर्षा
78. बाणों को रखने का साधन - तूणीर/तरकस
79. वह व्यक्ति जो छुटकारा दिलाता है/रक्षा करता है - त्राता
80. शीतल, मंद व सुगन्धित वायु - त्रिविधवायु
81. गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम - त्रिवेणी
82. स्तन का घाव – थनेला
83. दोनों हथेलियों के टकराने से होने वाली आवाज - थपड़ी
84. लोगों में परंपरा से चली आई कथा - दंतकथा
85. संकुचित विचार रखने वाला - दकियानूस
86. खिड़की के पास बैठने की जगह - दरीचा
87. जिसके पेट को माँ ने रस्सी से बाँधा हुआ हो - दामोदर
88. जंगल में लगने वाली आग - दावानल/दावाग्नि
89. वह रोग जिससे सूर्य की प्रखर किरणों की कारण दिन में कम दिखाई देता है - दिनौंधी/दिवांधता
90. दिन के समय अपने प्रिय से मिलने जाने वाली नायिका - दिवाभिसारिका
91. जिसको पकड़ने में काफी कठिनाई हो - दुरभिग्रह
92. अनैतिक और आपराधिक कार्य के लिए की जाने वाली मंत्रणा/समझौता - दुरभिसंधि
93. जिसको प्रसन्न करना कठिन हो - दुराराध्य
94. जिसका दमन कठिन हो - दुर्दम्य/दुर्दांत/दुर्धर्ष
95. जो अत्यंत कष्ट से निवारित हो - दुर्निवार

96. ऐसा विपरीत समय (अकाल) जिस समय भिक्षा भी बड़ी मुश्किल से मिलती है - दुर्भिक्ष
97. जो काम कठिन हो - दुष्कर
98. वे खेत जहाँ केवल वर्षा का जल ही उपलब्ध हो - देवमातृक
99. देव (भाग्य) या ज्योतिष शास्त्र को जानने वाला - दैवज्ञ
100. जिस भूमि के दोनों ओर जल हो - दोआब
101. पुत्री का पुत्र - दौहित्र/नाती
102. द्वीप में जन्मा - द्वैपायन
103. थन से निकला हुआ ताजा गर्म दूध - धारोष्ण
104. सदा प्रसन्न रहने वाला या कला प्रेमी नायक - धीरललित
105. श्रेष्ठ गुणों से संपन्न शूरवीर नायक - धीरोदात्त
106. बहुत चंचल, दुष्ट, अहंकारी, प्रतिनायक - धीरोद्धत
107. मछली पकड़ने या बेचनेवाली जाति विशेष - धीवर
108. धुरी को धारण करने वाला अर्थात् आधारभूत कार्यों में प्रवीण - धुरंधर
109. गिरने से (प्राकृतिक आपदा या मानवीय प्रयासों से) कुछ ही बची इमारत - ध्वंसावशेष
110. सम्मान में दी जाने वाली भेंट - नजराना
111. जिस स्त्री का विवाह अभी हुआ हो - नवोढ़ा
112. जिसका उदय हाल में हुआ हो - नवोदित
113. जिस स्त्री का विवाह अभी हुआ हो - नवोढ़ा
114. लताओं से आच्छादित रमणीय स्थान - निकुंज
115. जिससे किसी प्रकार की हानि न हो - निरापद
116. जो माँस न खाता हो - निरामिष
117. जिसके पास कोई उपाय न हो - निरूपाय
118. अर्द्धरात्रि का समय - निशीथ
119. जिसे किसी बात की आकांक्षा न हो - निस्पृह
120. रंगमंच पर परदे के पीछे का स्थान - नेपथ्य
121. आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लेने वाला - नैष्ठिक
122. महीने के दो पक्षों में से एक पक्ष (पंद्रह दिन) - पखवाड़ा
123. नाटक का पर्दा गिरना - पटाक्षेप/यवनिका पतन

124. रंगमंच के लिए जो पर्दा इस्तेमाल में - यवनिका
125. पति को चुनने की इच्छा वाली कन्या - पतिम्वरा
126. अपने पद से हटाया हुआ - पदच्युत
127. केवल दूध पर जीवित/आश्रित रहने वाला - पयोहारी
128. शत्रु को जीतने वाला - परंजय
129. शत्रु को संतप्त (पीड़ित) करने वाला - परन्तप
130. परपुरुष से प्रेम करने वाली - परकीया
131. दूसरे की बुराई खोजने वाला/वाली - परछिद्रान्वेषी
132. जो सुख-दुःख से परे हो - परमहंस
133. दूसरे का मुँह ताकने वाला/दूसरे से ही उम्मीद रखने वाला - परमुखापेक्षी
134. जो पहनने लायक हो - परिधेय
135. पर्दे के अंदर रहने वाली - पर्दानशीन
136. विष्णु का शंख - पांचजन्य
137. सफेदी लिए हुए लाल रंग - पाटल
138. मार्ग में खाने के लिए ले जाया गया भोजन - पाथेय
139. पृथ्वी से सम्बन्ध रखने वाला - पार्थिव
140. जिसका स्वभाव पशुओं के समान हो - पाशविक
141. एक बार कही हुई बात को दुहराते रहना - पिष्टपेषण
142. दोपहर के पहले का समय - पूर्वाह्न
143. जो पूछने योग्य हो - पृष्टव्य
144. दोपहर के बाद का समय - अपराह्न
145. जो शरीर से हृष्ट-पुष्ट हो - पेशल
146. शरणागत की रक्षा करने वाला - प्रणतपाल
147. किसी प्रश्न का तत्काल उत्तर दे सकने वाली बुद्धि - प्रत्युत्पन्नमति
148. दूसरे के स्थान पर अस्थायी रूप से काम करने वाला - स्थानापन्न/प्रतिनियुक्त
149. संध्या और रात्रि के बीच का समय - प्रदोष/पूर्वरात्र
150. प्रमाण द्वारा सिद्ध करने योग्य - प्रमेय
151. जो किसी मत को सर्वप्रथम चलता है - प्रवर्त्तक

152. ज्ञात इतिहास के पूर्व का समय - प्रागैतिहासिक
153. पृथ्वी का वह भाग जिसके तीनों ओर पानी हो - प्रायद्वीप
154. वह स्त्री जिसका पति दूर स्थान पर गया हो - प्रोषित पतिका
155. समुद्र पर लगने वाली आग - बड़वाग्नि/बड़वानल
156. बहुत से देवताओं के अस्तित्व में विशवास करने वाला मत - बहुदेववाद
157. बहुत-सी भाषाओं को बोलने वाला - बहुभाषाभाषी
158. अनेक भाषाओं को जानने वाला - बहुभाषाविद्
159. जिसने सुनकर अनेक विषयों का ज्ञान प्राप्त किया हो - बहुश्रुत
160. भोजन करने की इच्छा - बुभुक्षा
161. जो अत्यधिक भूखा हो - बुभुक्षित
163. रात का भोजन - रात्रिभोजन/ब्यालू
164. जो भविष्य में निश्चित रूप से होने वाला है - भवितव्य
165. ओषधियों का जानकार - भेषज
166. जिसमें अपार जलराशि हो - महोदधि
167. सुख और दुःख में समान रहने वाला - मनस्वी
168. कलम की कमाई खाने वाला - मसिजीवी
169. इंद्र का सारथी - मातलि
170. कम या नपा-तुला भोजन करने वाला - मिताहारी
171. मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा - मुमुक्षा
172. मरने की इच्छा - मुमूर्षा
173. बहुत अधिक धनी होने पर भी कम खर्च करने वाला व्यक्ति - यक्षवित्त
174. जौ से तैयार किया गया जल - यवारिष्ट
175. यज्ञ स्थल पर स्थापित किया जाने वाला खम्बा - यूप
176. विवाह में मिला धन - यौतुक
177. जिस स्त्री को मासिक रक्त स्राव हुआ हो - रजस्वला
178. युद्ध में बड़ी कुशलता के साथ लड़ने वाला - रण बाँकुरा
179. पूर्णिमा की रात – राका
180. पुरानी पीढ़ी द्वारा नयी पीढ़ी को मिलने वाली संपत्ति - रिक्त/थाती/विरासत

181. वह परकीया नायिका जिसका पर-पुरुष प्रेम दूसरों को ज्ञात हो - लक्षिता
183. सिद्धि जिसके प्रभाव से सिद्ध पुरुष यथेष्ट छोटा हो - लघिमा
184. जो चाटने योग्य हो - लेह्य
185. जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाएँ - लोमहर्षक
186. चंचल आँखों वाली स्त्री - लोलाक्षिका
187. वह स्त्री या गाय जिसे बच्चा न होता हो - वंध्या/बंध्या
188. बचपन और यौवन के बीच की उम्र - वयःसंधि
189. धारण करने योग्य/पहनने योग्य - वसितव्य
190. जिसके नाम वसीयतनामा लिखा गया हो - वसी
191. वह कन्या जिसका विवाह करने का वचन दे दिया गया हो - वाग्दत्ता
192. सुन्दर उरु/जाँघों वाली स्त्री - वामोरु
193. केंद्र में प्रस्थापित सत्ता - विकेन्द्रीकरण
194. बेचने की कला में चतुर व्यक्ति - विक्रयिक
195. जो जल रहित हो - विजल
196. जो दूसरी जाति का हो - विजातीय
197. गलत है जो रास्ता - विपथ
198. बिना पत्तों का वृक्ष - विपर्णक
199. वह पुरुष जिसकी पत्नी उसके साथ नहीं है - विपत्नीक
200. संकेत स्थल में प्रिय के न मिलने से दुःखी नायिका - विप्रोषित
201. जिसके कोई सम्बन्धी न हो - विबंधु
202. धूल रहित – विरजा
203. प्रशंसा के बहाने निंदा करना - व्याज स्तुति
204. किसी कार्य में लीन/लगा हुआ - व्यापृत
205. मनोयोगपूर्वक बिना त्रुटि के सौ अथवा बहुत से कामों को एक साथ करने वाला – शतावधान
206. विभिन्न रंगों वाला/कई रंगों से अंकित - शबल
207. जिसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता - शब्दातीत
208. हाथ में पकड़कर चलाया जाने वाला हथियार (जैसे तलवार) - शस्त्र
209. पथरीला प्रदेश - संगिस्तान

210. एक साथ उत्पन्न होने वाले – संभूत
211. जो जोता-बोया न गया हो – अकृष्ट/आकृषित
212. बिना हल जोते उगने वालो फसल – अकृष्टपच्या
213. अत्यंत सूक्ष्म या छोटा होने की शक्ति प्राप्त होना - अणिमा
214. जैनियों का सूर्यास्त से पहले होने वाला भोजन - अथऊ
215. पश्चिम दिशा जहाँ सूर्य अस्त होता है - अथमना
216. आदेश जो एक निश्चित अवधि तक ही लागू हो - अध्यादेश
217. वह वस्तु जिस पर अधिकार जताया जाए - अध्यर्थ
218. वह जिसने किसी से ऋण लिया हो - अधमर्ण
219. पहले लिखे गए पत्र का स्मरण करते हुए पत्र - अनुस्मारक
220. बिना देख-रेख का जानवर - अनेर
221. जिसे बुलाया न गया हो - अनाहूत
222. जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके — अच्युत
223. जिसकी कीमत कम हो - अनर्घ्य
224. जो वश में न हुआ हो - अनायत
225. वह भोजन जो रोगी के लिए निषिद्ध है - अपथ्य
226. जिसे अधिक बकवास करना न आता हो - अप्रगल्भ
227. वह बात या भाव जिसे प्रकट करने की इच्छा हो - अभिप्रेत
228. जिस वस्त्र को पहना न गया हो - अप्रहत
229. निष्फल न होने वाला - अमोघ
230. ज्यों का त्यों - अविकल
231. जिसकी सम्पूर्ण कामनाएँ पूरी हो गई हों - आप्तकाम
232. ऋषि द्वारा कहा गया वचन - आर्षवचन
233. जिसके अहंकार का नाश हो गया हो - आंतगर्व
234. जड़ से चोटी तक - आमूलचूल
235. अपने को धोखा देना - आत्मवंचना
236. ताजिया रखने की जगह - इमामबाड़ा
237. ऋण देने वाला व्यक्ति - उत्तमर्ण

238. निरंतर ऊँचा उठने की इच्छा - उदीषा
239. सामवेद के मन्त्रों का गान करने वाला - उद्गाता
240. बर्तन बेचने – कसेरा
241. करने योग्य व न करने योग्य कर्म - कृत्याकृत्य
242. कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग - कर्णपाली
243. लाल कमल - कोकनद
244. जिसकी ग्रीवा (जीभ) शंख की तरह हो - कात्बुग्रीवा
245. जो पाप-पुण्य हर्ष-विषाद से मुक्त शुद्ध स्वभाव वाला हो - केवालात्मा
246. केवल पेट भरने वाला - कुक्षिभर
247. जिसके अंग-प्रत्यंग जल गए हों - जलितांग
248. चैतन्य रूप की माया - चिद्विलास
249. अपना सम्मान बचाने के लिए किया गया अग्नि प्रवेश - जौहर
250. जो अवैध संतान हो - जारज
251. बर्तन बनाने वाला - ठठेरा
252. पुत्री का पुत्र – दौहित्र
253. जिस पर पक्षपातपूर्ण दृष्टि से विचार किया गया हो - दुर्दृष्ट
254. किसी कार्य के बदले की जाने वाली आशा - प्रत्याशा
255. जो काया (शरीर) हृष्ट-पुष्ट हो - पेशल
256. शरणागत की रक्षा करने वाला - प्रणतपाल
257. लौट कर आया हुआ - प्रत्यावर्ती
258. प्रतिकार की भावना या बदला चुकाने की इच्छा - प्रतिचिकीर्षा
259. जमानत करने वाला - प्रतिभू
260. निराश या पराभूत किया हुआ - प्रतिहत
261. सफेद कमल - पुण्डरीक
262. बिना अधिकार परायी वस्तु काम में लाने वाला - परिभोक्ता
263. जिस स्त्री के पति व् पुत्र दोनों हों - पुरन्द्री
264. क्रोध करने वाली स्त्री - भामिनी
265. जिसमें अपार जलराशि हो - महोदधि

266. दोपहर का सूर्य - मार्त्तण्ड
267. शीत ऋतु की वर्षा - महावट
268. यज्ञों की रक्षा करने वाला - मखत्राता
269. जो पुष्प पूर्ण रूप से विकसित न हुआ हो - मुकुल
270. मनाने के लिए की गयी विनती - मनुहार
271. एक साथ दो संतानों का जन्म - यमल/यमला
272. जिसे देखकर रौंगटे खड़े जाएँ - लोमहर्षक
273. वह काव्य नाटक जिसका अभिनय किया जाए - रूपक
274. वह पदार्थ जो चाटकर खाने योग्य हो - लेह्य
275. भाषण देने में चतुर - वाग्मी
276. व्यर्थ का विवाद या कहा-सूनी - वितंडावाद
277. प्रशंसा के बहाने निंदा करना - व्याज स्तुति
278. चाँदनी रात - शर्वरी
279. सृजन करने की इच्छा - सिसृक्षा
280. प्राणों पर संकट लाने वाला - सांघातिक

हिंदी व्याकरण हेतु सबसे उपयोगी पुस्तकें

क्लिक कर देखें

सामान्य हिंदी – डॉ. राघव प्रकाश

आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद

सामान्य हिन्दी – डॉ. हरदेव बाहरी

हिन्दी शब्द-अर्थ प्रयोग – डॉ. हरदेव बाहरी

Site पर जाएँ

www.hindigyansagar.com

हिन्दी विषय सम्बन्धी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं तो जरूर जुड़ें

FACEBOOK PAGE

हिन्दी ज्ञान सागर

INSTAGRAM

हिन्दी ज्ञान सागर

YOU TUBE

हिन्दी ज्ञान सागर

TELEGRAM

हिन्दी ज्ञान सागर